प्रभु क अनमोल सहायता

वॉटसन गुडमैन द्वारा संकलित

मङनी—बेचबा क हेतु नहि

प्रभु क अनमोल सहायता

"प्रभु क अनमोल सहायता" अपने क सुविधा क हेतु छोट पुस्तक क रूप में प्रकाशित कैल गेल अछि जाहि सँ कि अपने लोकनि एकरा अपना संग सर्वदा सरलता सँ रखने रही और थोड़बो अवकाश भेटलो पर अपन समय नष्ट नहि करैत, एकरा पढ़ि लाभ उठा सकी।

परमेश्वर क वचन सत्य क तकनिहार क हेतु लाभप्रद अछि। कियो व्यक्ति अपन पाप सँ पश्चात्ताप कऽ कऽ, पूरा हृदय सँ मसीह यीशु पर जखन विश्वास आनैत अछि तखन प्रभु यीशु मसीह अपन शान्ति विश्वासी क हृदय में राखैत छथि। ई अनुभव हमरा १९३७ में भेल। एकर बाद हमर सम्पर्क परमेश्वर सँ कहियो नहि छूटल।

अपने लोकनि सँ हमर प्रार्थना अछि कि अपने लोकनि से प्रभु यीशु कें जीवन दऽ कऽ उद्धारकर्त्ता ग्रहण करी। —वॉटसन गुडमैन

All scriptures are taken from the Maithily Bible with permission from the Bible Society of India.

परमेश्वरक प्रेम

यूहन्ना ३ : १६

कियैक तऽ परमेश्वर जगत सँ प्रेम रखलनि और ओ अपन एक्के मात्र पुत्र दऽ देलनि, जाहि सं कि जे कियो इनका पर विश्वास करन, ओ नाश नहि होएन परन्तु अनन्त जीवन पाओत ।

यिर्मयाह ३१ : ३

यहोवा हमरा दूर सँ दर्शन दऽ कऽ कहलनि अछि। हम तोरा मँ सर्वदा प्रेम रखैत आएल छी। एति कारण हम तोरा पर अपन करूणा बनौने रहैत छी ।

रोमियों ५ : ८

परन्तु परमेश्वर हमरा लोकनि पर अपन प्रेम क भलाइ एहि रीति सँ प्रकट करैत छथि कि जखन हम सब पापीये रही, तैखन मसीह हमरा लोकनि हेतु मरला ।

प्रभु योशु मसीह क दिव्य

मत्ती १ : २२, २३

ई सब किछु एहि हेतु भेल कि जे वचन प्रभु भविष्य वक्ता क द्वारा कहलाने, ओ पूरा हो और देखू एक कुमारि गर्भवती हौत और एक पुत्र के जनम देत और ओकर नाम इम्मानुएल राखल जैत जकर अर्थ ई अछि "परमेश्वर हमर संग"।

१ तीमुथियुस ३ : १६

और एहि में सन्देह नहि कि भक्तिक भेद गम्भीर अछि अर्थात् ओ जे शरीर में प्रकट भेल, आत्मा में धर्मी रहलए, स्वर्गदूत के देखाओल गेल, अन्य जाति में ओकर प्रचार भेल, जगत में ओकरा पर विश्वास कैल गेल और महिमा में ऊपर उठौल गेल।

यीशु परमेश्वर क पुत्र

यशायाह ९ : ६

कारण हमरा वास्ते एक बालक उत्पन्न भेल हमरा सभकँ एक पुत्र देल गेल अछि और प्रभुता औकरा कनहा पर होएत और ओकर नाम अद्‌भत कारक पराक्रमी, परमेश्वर, अनन्त काल क पिता, और शान्ति क राजकुमार राखल जायत ।

कुलुस्सियों २ : ९

कारण औकरा में ईदेवरत्व केर सब परिपूर्णता सदेह वास करैत अछि।

१ यूहन्ना ४ : १५

जे कियो ई मानि लइल अछि कि यीशु परमेश्वरक पुत्र छथि, परमेश्वर हुनका में बनल रहैत छथि और ओ परमेश्वर में ।

तखन यीशु ओकरा सँ फेर कहलनि हम यीरा सँ सत्तेसत्त कहैत छी कि मेड़ का द्वार हम छी । यूहन्ना १० : ७

यीशु ओकरा सँ कहलनि हम तोरा सत्तेसत्त कहैत छी कि पहिने कि इब्राहीम उत्पन्न भेल, हम छी । यूहन्ना ८ : ५८

यीशु ओकरा सँ कहलनि, जीवन क रोटी हम छी । जे हमरा लऽग आओत, ओ कहियो भुखैल नहि होएत और जे हमरा पर विश्वास करत, ओ कहियो पिआसल नहि हैत । यूहन्ना ६ : ३५

यीशु ओकरा सँ कहलनि, पुनरुत्थान और जीवन हमहि छी जे कियो हमरा पर विश्वास करैत अछि ओ यदि मरियो जाय तैयो जीवित रहत । यूहन्ना ११ : २५

लूका ५ : ४-६

जखन ओ बात कऽ चुकल, तखन शमौन सँ काजल, गहीर में लऽ चल और माछ पकड़बाक हेतु अपन जाल फेक। शमौन ओकरा उत्तर देलक कि हे स्वामी ! हम सम्पूर्ण राति साहस कैल और किछु नहि पकड़लहुँ, तैयो अपने क कहला सँ जाल फेंकबा जखन ओ ओना कैलक, तखन बहुतरास माँछ कैं घेर अनलक और ओकर जाल फाटऽ लागल।

मत्ती २० : ३०-३४

और देख, दू आन्हर जे बाट क कात में बैसल छल, ई सुनि कऽ कि यीशु जा रहल छथि, सोर पाइड़ कऽ कहऽ लागल कि हे प्रभु ! दाऊद क सन्तान; हमरा पर दया करू। लोग ओकरा डाँटलक कि चुप रह। परन्तु ओ औरो चिचियाकऽ वाजल, हे प्रभु, दाऊद क सन्तान, हमरा पर दया करू। तखन यीशु ठाठ भऽकऽ ओकरा वजौलनि और वजला—

अहाँ की चाहैत छी ? हम अहाँ क हेतु की करी ? ओ हुनका सँ वाजल हे प्रभु; ई कि हमर आँखि फूजि जाए। यीशु द्रवित भऽकऽ ओकर आँखि छूलन्हि आ ओ तुरन्ते देखऽ लागल और हुनकर पाछाँ भऽ गेल।

6 यीशु मसीह सृष्टिकर्त्ता और प्रभु छथि।

प्रेरितों २ : ३६

से आब इस्राएल क सम्पूर्ण घराना निश्चय जानि लिअ कि परमेश्वर ओहि यीशु कें जिनका तू सब क्रूस पर चढ़ौलें, प्रभुओ मान ले तथा मसीह से हो।

कुलुस्सियों १ : १६

कारण हुनका में सब वस्तुक सृष्टि भेल, स्वर्ग क हो अथवा पृथ्वी क, देखल वा अनदेखल, की सिंहासन, की प्रभुता, की प्रधानता, की अधिकार, सब वस्तु हुनके द्वारा और हुनके हेतु सिरजल गेल अछि।

और पिता ककरो न्यायो नहि करैन छथि किन्तु न्याय करबा क सब काज पुत्र कें समर्पित कऽ दैत छथि । यूहन्ना ५ : २२

और ओ हमरा आज्ञा देलनि कि लोग में प्रचार करू: और गवाही दिअ कि ई वैह छथि जे परमेश्वर जीवित और मरल क न्यायी घोषित छथि । प्रेरितो १० : ४२

जाहि दिन परमेश्वर हमर सुसमाचार क अनुसार यीशु मसीह क द्वारा मनुष्य क गुप्त बात क न्याय करऽता । रोमियो २ : १६

तू अपना भाइ पर कियै दोष लगबैत छैं ? अथवा तू फेर कियै अपना भाइ कैं तुच्छ बुझैत छैं ? हम सब के सब परमेश्वर क न्याय सिंहासन का आगू ठाढ़ होएब । रोमियो १४ : १०

छुटकारा मात्र यीशु मसीह क द्वारा

यीशु ओकरा सँ कहलनि, मार्ग और सत्यता और जीवन हम ही छी; बिना हमरा द्वारा कियो पिताक लऽग नहि पहुँच सकैत अछि।

यूहन्ना १४ : ६

दरबज्जा हम छी। यदि किओ हमरा द्वारा अन्दर प्रवेश करै तऽ उद्धार पाओत और अन्दर बाहर ऐल गेल करत और चारा पाओत।

यूहन्ना १० : ९

और कियो दोसर क द्वारा उद्धार नहि; कारण स्वर्ग क नीचा मनुष्य में और कोनो दोसर नाम नहि देल गेल, जकरा द्वारा हम उद्धार पा सकी।

प्रेरितों ४ : १२

अत: जे हुनका द्वारा परमेश्वर क लऽग में अबैत छथि, ओ ओकरा पूरा-पूरा उद्धार कऽ सकैत छथि, कारण ओ हुनका हेतु विनती करबालय सर्वदा जीवित छथि।

इब्रानियो ७ : २५

छुटकारा मात्र यीशु मसीह क द्वारा

कुलुस्सियों १ : १२–१४

और पिता क धन्यवाद करैत ऽहू जे हमरा सभकें एहि योग्य बनौलनि कि ज्योति मे पवित्र लोक क संग मीरास में सम्भागी होइ। वैर हमरा अन्धकार क वश में सँ छोडा कऽ अपन प्रिय पुत्र क राज्य में प्रवेश करौलनि जाहि में हमरा सभ कें छुटकारा अर्थात् पाप क क्षमा प्राप्त होइत अछि।

प्रकाशित वाक्य ५ : ९

और ओ ई नया गीत गाबए लागल कि तू एहि पुस्तक कें लेबा क और ओकर मोहर खोलबा क योग्य छैं कारण तूं बद्ध भऽकऽ अपन शोणित सँ हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति में सँ परमेश्वर क हेतु लोग कें मोल लऽ लेने छैं।

यीशु मसीह क शोणित सँ छुटकारा

तखन मसीह क शोणित जे अहाँ कैं सनातन आत्मा क द्वारा परमेश्वर क आगू निर्दोष चढ़ौलक, तोहर विवेक कैं मरल काज सँ कियैक नहि शुद्ध करतौ जाहि सँ कि तू जीवते परमेश्वर क सेवा कर ।

इब्रानियो ९ : १४

पर यदि जेना ओ ज्योति में अछि, ओहिना हम तू ज्योति में चली तऽ एक दोसर सँ सहभागिता रखैत छी और ओकर पुत्र यीशु क शोणित हमरा सभकैं सब पाप सँ शुद्ध करैत अछि । १ युहन्ना १ : ७

हमरा सभकैं ओकरा में ओकर शोणित द्वारा छुटकारा अर्थात् अपराध क क्षमा, ओकर ओहि अनुग्रहक धन क अनुसार भेटल अछि ।

इफिसियों १ : ७

कारण जे किछु ईश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि, ओ संसार पर जय प्राप्त करैत अछि और ओ विजय जाहि सँ संसार पर जय प्राप्त अछि, हमर विश्वास अछि। १ यूहन्ना ५ : ४

कारण विश्वास क द्वारा अनुग्रहे सँ तोहर उद्धार भेल छौ और ई तोरा दिस सँ नहि, प्रत्युत परमेश्वर क दान अछि। और ने कर्म क कारण, एना नहि हो कि कियो घमण्ड करय। इफिसियो २ : ८, ९

ओ ओकरा सँ कहलनि, परमेश्वर क काज करबा क हेतु हम की करी ? यीशु ओकरा उत्तर देलनि; परमेश्वर क काज ई अछि कि तू ओकरा पर जकरा ओ पठौलनि अछि, विश्वास कर। यूहन्ना ६ : २८, २९

परमेश्वर क दया

भजन संहिता १०३ : ११

जेना आकाश पृथ्वी क ऊपर ऊँच अछि, ओहिने ओकर करुणा ओकर डरवैया क ऊपर प्रबल अछि।

भजन संहिता १०३ : १७

परन्तु यहोवा क करुणा ओकर डरबैया पर जुग-जुग और ओकर धर्म ओकर दौहित्र-पौत्र परो प्रगट होइत अछि।

तीतुस ३ : ५

तऽ ओ हमरा उद्धार कमलनि और ई धर्म क काजक कारण नहि, जे हम स्वयं कैल, किन्तु अपन दया क अनुसार, नव जन्म क स्नान और पवित्र आत्मा क हमरा नव बनेबा क द्वारा भेल।

और आत्मा और कनिया दूनू कहैत छथि, आउ और सुनैवला से कहाथि, कि आउ और जे पिआसल होथि ओ अबथि और जे कियो चाहथि ओ जीवन क जल मङनी में लेथि। प्रकाशित वाक्य २२ : १७

हे सब परिश्रम करैवला और बोझ सँ दबल व्यक्ति, हमरा लग आउ, हम अहाँ कें विश्राम देव। मत्ती ११ : २८

यहोवा कहैत अछि। हम अपना में वाद-विवाद करी: तोहर पाप चाहे लाल रंग क हो, तैयो ओ हिम क समान उज्जर भऽ जाएत और चाहे अरगवला रंग क हो, तैयो ऊनक समान श्वेत भऽ जाएत।
यशायाह १ : १८

सब परमेश्वर क सन्तान नहि छथि ।

एहि सँ परमेश्वर क सन्तान और शैतान क सन्तान बूझल जाइत अछि; जे धर्म क काज नहि करैत छथि ओ परमेश्वर सँ नहि और ने ओ जे अपन भाइ सँ प्रेम नहि रखैत छथि । १ युहन्ना ३ : १०

परन्तु जत्ते ओकरा ग्रहण कैलक से ओकरा परमेश्वर क सन्तान हेबा क अधिकार देलक अर्थात् हुनका जे हुनकर नाम पर विश्वास करैत छथि । युहन्ना १ : १२

एहि हेतु कि जे व्यक्ति परमेश्वर क आत्मा कैं चलवैत चलैत छथि, वैह परमेश्वर क पुत्र छथि । कारण तोरा दासत्व क आत्मा नहि भेटल कि फेर भयभीत रहै परन्तु लेपालकपन क आत्मा भेटल अछि जकरा हमऔ वावू ! हे पिता कहि कऽ शोर पारैत छी । रोमियो ८ : १४, १५

यशायाह ५ : ११

ओह ओकरा पर जे बहु भिनसरे उठि कऽ मदिरा पीवऽ लगैत अछि और बड़ी राति तक दाखमधु पीबैत रहैत अछि जखन तक ओकर गरमी नहि चढ़ि जाए।

गलतियो ५ : १९ और २१

शरीर क काज तऽ प्रगट अछि अर्थात् व्यभिचार, मैल काज, लुचपन, मूर्त्तिपूजा, टोना, शत्रुता, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, भिन्न, विधर्म, डाह, पागलपन, लीला, क्रीड़ा और हिनक एहन और-और काज अछि, एकरा विषय में हम तोरा पहिने कहि दैत छी जेना पहिने कहियो कहि चुकल छी कि एहन-एहन काज करैवला परमेश्वर क राज्य क उत्तराधिकारी नहि हेता।

सत्यते अधिक नहि अछि

मरकुस १० : १७-२२

और जखन ओ बहार भऽकऽ बाट पर जाइत छल, तखन एक टा मनुष्य ओकरा लग दौगैत आएल और ओकरा आगू ठेहुन रोपि कऽ ओकरा सँ पुछलक, हे उत्तम गुरू अनन्त जीवन क अधिकारी हेबा क हेतु हम की करू ? यीशु ओकरा सँ कहलनि, तू हमरा उत्तम किये कहैत छैं ? कियो उत्तम नहि मात्र एक अर्थात् परमेश्वर। तू तऽ आज्ञा कैं जनैत छैं हत्या नहि देनाइ, व्यभिचार नहि केनाइ, चोरी नहि केनाइ, फूसि गवाही नहि देनाइ, छल नहि केनाइ, अपन माता और अपन पिता कैं आदर केनाइ। ओ ओकरा सँ कहलनि हे गुरू, एहि सब कैं हम नेने सँ मानैत अबैत छी। यीशु ओकरा दृष्टि कऽकऽ ओकरा सँ प्रेम कयलनि और ओ कहलनि तोरा में एक बात क कमी अछि, जो, जे किछु तारे अछि, ओकरा बेच कऽ गरीब कैं दऽ दे

और तोरा स्वर्ग में धन भेट जेतौ और आबि कऽ हमरा पाछी भऽ ले। एहि बात सँ ओकरा मुखड़ा पर उदासी व्याप्त भऽ गेल और ओ शोक करैत चल गेल कारण ओ बहुत धनी छल।

धोखा नहि खाउ 17

की अहाँ नहि जनैत छी कि अन्यायी व्यक्ति परमेश्वर क राज्य क अधिकारी नहि हेता ? धोखा नहि खाउ, ने वेश्यागामी, ने मूर्त्तिपूजक, ने परस्त्रीगामी, ने लुच्चा, ने पुरुषगामी। ने चोर, ने लोभी, ने पिअक्कड़, ने गारि दै वला, ने ऊनहार करै वला परमेश्वर क राज्य क उत्तराधिकारी हेता।

१ कुरिन्थियो ६ : ९, १०

किया तोरा व्यर्थ बात सँ धोखा नहि दिय, कारण एहि काज क कारण परमेश्वर क क्रोध आज्ञा नहि मानै वला पर भभकैत अछि।

इफिसियो ५ : ६

पाप सँ मृत्यु अबैत अछि

लूका १५ : ३२

परन्तु आव आनन्द केनाइ और मगन हेबा क चाही कारण ई तोहर भाइ मर गेल छलौ, फेर जी गेल छौ, जे चल गेल छलौ, आव भेट गेल छौ।

रोमियो ५ : १२

अत: जेना एक मनुष्य क द्वारा पाप जगत में ऐल और पाप क द्वारा मृत्यु आएल और एहि रीति सँ मृत्यु सब मनुष्य में पसरि गेल, अत: कि सब कियो पाप कैलक।

याकूब १ : १५

पुन: अभिलाषा गर्भवती भऽ कऽ पाप कें उत्पन्न करैत अछि और पाप जखन बढ़ि जाइत अछि तऽ मृत्यु कें उत्पन्न करैत अछि।

ई कहिकऽ ओ पैध शब्द सँ शोर पाड़लनि, कि हे लाजर, बाहर आ। जे मरिगेल छल, ओ कपन सँ हाथ पैर वान्हल बाहर आएल और ओकर मूँह अंगपोछा सँ लपेटल छल : यीशु ओकरा सँ कहलनि ओकरा कोलिकऽ जाए दिअ। यूहन्ना ११ : ४३, ४४

तखन ओ लऽग आबि कऽ अर्थी कें छूलक और उठाबऽ वला ठहरि गेल तखन ओ कहलनि हे युवक, हम तोरा सँ कहैत छी, उठ। तखन ओ मुरदा उठि कऽ बैसल और बाजऽ लागल। लूका ७ : १४, १५ अ

हम मरि गेल छलहुँ और आब देख; हम जुग-जुग जीवैत छी और मृत्यु और अधोलोक क कुँजी हमरे संग अछि।
प्रकाशित वाक्य १ : १८

व्यवस्था विवरण ५ : ७–२१

हमरा अतिरिक्त दोसर कैं परमेश्वर कऽकऽ नहि मानिहें । तू अपना हेतु कोनो मूर्त्ति खोदि कऽ नहि बनबिहें, ने ककरो प्रतिमा बनबिहें, जे आकाश में वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी क जल में अछि, तू ओकरा प्रणाम नहि करिहें और ने ओकर उपासना करिहे••• तू अपन परमेश्वर यहोवा क नाम व्यर्थ नहि लिहें कारण जे यहोवा क नाम व्यर्थ लियै, ओ हुनका निर्दोष नहि ठहराओन ।

तू विश्राम दिन कैं मानिकऽ पवित्र रखिहें, जेना तोहर परमेश्वर यहोवा तोरा आज्ञा देलखुना । छः दिन परिश्रम कऽ कऽ अपन सब काज करिहें परन्तु सातमा दिन तोहर परमेश्वर यहोवा क हेतु विश्राम दिन

अछि। अपन पिता और माता क आदर करिहें जेना कि तोहर परमेश्वर यहोवा तोरा आज्ञा देल खून…………

तू हत्या नहि करिहें ।।

तू व्यभिचार नहि करिहें ।।

तू चोरी नहि करिहें ।

तू ककरो विरुद्ध फुइस गवाही नहि दिहें ।

तू ने ककरो पत्नि क लोभ करिहें, आ ने ककरो घर क लोभ करिहें, ने ओकर खेत कैं, ने ओकर दास कैं, ने ओकर दासी कैं, ने ओकर वरद कैं वा गदहा कैं, ने ओकर कोनो और वस्तु क लोभ करिहें।

अहाँ परमेश्वर सँ नुका नहि सकैह छी

फिर यहोबा क यैह वाणी अछि, की कियो एहन गुप्त स्थान में नुका सकैत अछि, कि हम ओकरा नहि देख सकी ? की स्वर्ग और पृथ्वी दूनू हमरा सँ परिपूर्ण नहि अछि ? यिर्मयाह २३ : २४

यहोवा क लोचन सब स्थान में लागल रहैत अछि । नीतिवचन १५ : ३

किछु लुकैल नहि, जे प्रगट नहि हो और ने किछु गुप्त अछि जे जानल नहि जाए और ने प्रगट हो । लूका ८ : १७

कारण ईश्वर क लोचन मनुष्य क चालि चलन पर लागल रहैत अछि और ओ ओकर सम्पूर्ण चालि कैं देखैत रहैत अछि । एहन अन्धकार वा घोर अन्धकार कत्तहु नहि अछि जाहि में अनर्थ करैवला नुका सकय । अयूब ३४ : २१, २२

दुष्ट अधोलोक में फिरि आओत तथा ओ सब जातियो जे परमेश्वर कैं बिसरी जाइत अछि। भजन संहिता ९ : १७

किन्तु वर्त्तमान काल क आकाश और पृथ्वी ओहि वचन क द्वारा एहि हेतु रखने अछि कि जरादी; और ओ भक्तिहीन मनुष्य कैं न्याय और नाश हेवा क दिन तक अहिने रखने रहतै। २ पतरस ३ : ७

मनुष्य क पुत्र अपन स्वर्ग दूत कैं पठाओत और ओ ओकर राज्य में सँ सब ठेस क कारण कैं और कुकर्म करैवला कैं एकट्ठा करत। और ओकरा अग्निकुण्ड में दऽ देत, ओतए कानत और दाँत पीसत।
मत्ती १३ : ४१, ४२

न्याय आगू अछि

कारण ओ एक दिन स्थिर कैलक अछि जाहि में ओ ओहि मनुष्य क द्वारा धर्म सँ जगत क न्याय करत। जकरा ओ स्थिर कैलक अछि और ओकरा मरल में सँ जीवित कऽ ई बात सब पर प्रमाणित कऽ देलक अछि।

प्रेरित १७ : ३१

और जेना मनुष्य क हेतु वेर मरनाइ और ओकर बाद न्याय क भेनाइ नियुक्त अछि। इब्रानियो ९ : २७

अतः हमरा में सँ प्रत्येक परमेश्वर कैं अपन-अपन लेखा देत।

रोमियो १४ : १२

एहि सँ प्रेम हमरा में सिद्ध भेल कि हमर न्याय क दिन हिसाब होबए कारण जेना ओ छथि ओहिने संसार में हमहूँ छी।

१ यूहन्ना ४ : १७

तू हमर प्रभु यीशु मसीह क अनुग्रह जनैत छैं, कि ओ धनी भइयो कऽ तोरा हेतु कंगाल वनि गेल जहि सँ कि कंगाल भइयो गेला सँ तू धनी भऽ जायँ। २ कुरिन्थियो ८ : ९

कारण परमेश्वर अभिमानी सबहक सामना करैत छथि परन्तु दूनू पर अनुग्रह करैत छथि। १ पतरस ५ : ५ अ

परमेश्वर कैं हुनका ओहि दान क हेतु जे वर्णन सँ बाहर अछि, धन्यवाद होबए। २ कुरिन्थियो ९ : १५

से ई ने तऽ चाहैवला क, ने दौगऽ वला क परन्तु दया करैवला परमेश्वर क बात अछि। रोमियो ९ : १६

अतः मन फिरा और घुमि आ कि तोहर पाप मेट जाए, जाहि सँ प्रभुक सम्मुख सँ विश्राम क दिन आवए । प्रेरितों ३ : १९

हम तोरा सँ कहैत छी कि नहि; परन्तु यदि तू मोन नहि फेरमे, तऽ तूहू सब एहि रीति सँ नाश होएमें। लूका १३ : ३

मोन कँ फिरा, कारण सर्ग क राज लऽग आबि गेल अछि। मत्ती ३ : २

कारण परमेश्वर-भक्ति क शोक एना पश्चात्ताप उत्पन्न करैत अछि जकर परिणाम उद्धार अछि और फेर ओहि सँ पछताए नहि पड़ैछ: परन्तु संसारी शोक मृत्यु उत्पन्न करैत अछि। २ कुरिन्थियों ७ : १०

पाप सँ क्षमा

यशायाह ५५ : ७

दुष्ट अपन चालि-चलन और अनर्थकारी अपन सोच-विचार कैं लागि कऽ यहोवे क दिल घूमै और जो ओकरा पर विश्वास करत ओ हमर परमेश्वर क दिस फिरय और ओ पूर्ण रीति सँ ओकरा क्षमा करतै ।

मत्ती ६ : १४

अतः तू यदि मनुष्य क अपराध क्षमा करमें, तऽ तोहर अपराध स्वर्गीय पितो तोरा क्षमा करथुन ।

प्रकाशित वाक्य ३ : २०

देख, हम दुआरि पर ठाढ़ भेल खटखटयैत छी, यदि किओ हमर शब्द सुनि कऽ दुआरि कोलन, तखन हम ओकरा लग भीतर आबि कऽ ओकरा संग भोजन करब और ओ हमरा संग ।

सांसारिक वस्तु सँ अलगाव

और अन्धकार क निष्फल काज में सहभागी नहि हो प्रत्युत ओहि पर उलहन दे। इफिसियो ५ : ११

पृथ्वी पर नहि परन्तु स्वर्गीय वस्तु पर ध्यान लगाउ। कुलुस्सियो ३ : २

तू नेतऽ संसार सँ और ने संसार मँह क वस्तु सँ प्रेम राख, यदि किओ संसार सँ प्रेम रखैत अछि तऽ ओकरा में पिता क प्रेम नहि अछि। कारण जे किछु संसार में अछि अर्थात् शरीर क अभिलाषा, आँखि क अभिलाषा और जीविका क घमण्ड, ओ पिता क दिस सँ नहि परन्तु संसारे क दिस सँ अछि। १ यूहन्ना २ : १५, १६

नव जन्म

यूहन्ना ३ : ३

यीशु ओकरा उत्तर देलनि कि हम तोरा सँ सरिपहूँ कहैत छी, यदि कियो नया सँ जन्म लियै तऽ परमेश्वर क राज्य नहि देख सकत।

१ पतरस १ : २३

कारण तू नाशवान नहि परन्तु अविनाशी बीआ सँ परमेश्वर क जीवते और सर्वदा स्थिर रहैवला वचन क द्वारा नव जन्म पौलें अछि।

१ यूहन्ना ५ : १८

हम जनैत छी कि जे किओ परमेश्वर सँ उत्पन्न भेल अछि, ओ पाप नहि करैत अछि, परन्तु जे परमेश्वर सं उत्पन्न भेल ओकरा ओ बचौने रहैत अछि और ओ दुष्ट ओकरा छूबि नहि पबैत अछि।

पाप कहेतु मरिकऽ मसीह में जीवि उठल

जे जखन तू मसीह क संग जिआएल गेलैं, तखन स्वर्गीय वस्तु क अन्वेषण में रह। जनऽ मसीह वर्त्तमान छथि और परमेश्वर क दहिन दिस बैसल छथि। कुलिस्सियों ३ : १

ओ अपने हमर पाप कैं अपना देह पर नेने क्रूस पर चढ़ि गेल जाहि सँ हमरा लोकनि पाप क हेतु मरिकऽ धार्मिकता क हेतु जीवन बिताबी। ओकरे मारि खेला सँ तू स्वस्थ भेलैं। १ पतरस २ : २४

किन्नतु नहि, हम जखन पाप क हेतु मरि गेलह तऽ फेर आगू ओहि में कोन हेतु जीवन बिताएब ? अहिना तूहू अपने स्वयं पाप क हेतु मरलैं, परन्तु परमेश्वर क हेतु मसीह यीशु में जीवित बूझ। रोमियो ६ : २ और ११

और अनन्त जीवन ई अछि कि तू अद्वैत सत्य परमेश्वर कैं और यीशु मसीह कैं, जकरा तू पठौने छैं जानै। युहन्ना १७ : ३

कारण पाप क मजदूरी तऽ मृत्यु अछि परन्तु परमेश्वर क वरदान हमरा प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन अछि। रोमियो ६ : २३

हम तोरा सँ सत्त कहैत छी, जे हमर वचन सुनिकऽ हमर पठबैंवला क प्रतीति करैत अछि, अनन्त जीवन ओकर थीक और ओकरा पर दण्ड क आत नहि होइत अछि परन्तु ओ मृत्यु कैं पार भऽकऽ जीवन में प्रवेश कऽ चुकल अछि। युहन्ना ५ : २४

और धर्म क फल शान्ति और ओकर परिणाम सदा क हेतु शान्ति और निश्चिन्त रहनाइ हैत। यशायाह ३२ : १७

जकरा लग हमर आज्ञा अछि और ओ ओकरा मानैत अछि वैह हमरा सँ प्रेम रखैत अछि और जे हमरा सँ प्रेम रखैत अछि, ओकरा सँ हमर पिता प्रेम रखता, और हम ओकरा सँ प्रेम राखव और स्वयं अपना कैं ओकरा पर प्रकट करब। यूहन्ना १४ : २१

हे बालक ! हम वचन और जीये सँ नहि परन्तु काम और सत्य क द्वारो प्रेम करी। अही सँ हम जानब कि हम सत्य क छी और जेहि बात में हमर मन हमरा दोष देत, ओकरा विषय में हम ओकरा आगू स्वयं अपन मन कैं ढाढ़स दऽ सकब। १ यूहन्ना ३ : १८, १९

हम मसीह क संग क्रूस पर चढ़ाओल गेल छी और हम आब जीवित नहि रहलऽ परन्तु मसीह हमरा में जीवित छथि और हम शरीर में औखन जीवित छी तऽ मात्र ओहि विश्वास सँ जीवित छी जे परमेश्वर क पुत्र पर अछि, जे हमरा सँ प्रेम कयलनि और हमरा हेतु स्वयं अपना कैं दऽ देलनि। गलतियो २ : २०

हम ई बात तोरा सँ एहि हेतु कहलहँ अछि कि हमर आनन्द तोरा में बनल रहय और तोहर आनन्द पूरा भऽ जाए। यूहन्ना १५ : ११

तू हमरा जीवन क मार्ग देखे में, तोरा लऽग आनन्द परिपूर्ण अछि, तोरा दाहिना हाथ में सुख सर्वदा बनल रहैत अछि।

भजन संहिता १६ : ११

और तोरा जे क्लेश भेटैत अछि, हमरा संग शान्ति दे, ओहि समय जखन कि प्रभु यीशु अपन सामर्थी दूत क संग धधकल आगि में स्वर्ग सँ प्रगट हेता और जे परमेश्वर कें नहि जनैत छथि और प्रभु क सुसमाचार कें नहि मानैत छथि, ओकरा सँ पलटि लेता। ओ प्रभु के आगू सँ और हुनकर शक्ति क तेज सँ दूर भऽ कऽ अनन्त विनाश क दण्ड पाओत। २ थिस्सलुनिकियो १ : ७—९

की तू नहि जनैत छैं कि जकर आज्ञा मानबा क हेतु तू स्वयं अपना कें नौकरानी जकाँ समर्पण कऽ दैत छैं, उसके नौकर छै और जकर मानैत छैं, चाहे पाप क, जिकर अन्त मृत्यु अछि, चाहे आज्ञा मानना क जकर अन्त धार्मिकता अछि ? रोमियो ६ : १६

कि यदि तू अपन मुंह सं यीशु कैं प्रभु जानि कऽ अंगीकार करैं और अपन मन सँ विश्वास करैं कि परमेश्वर ओहि मरल में सँ जिऔलनि तऽ तू निश्चय उद्धार पयमें। कारण धार्मिकता क हेतु मन सँ विश्वास कैल जाइत अछि और उद्धार क हेतु मुंह सँ अंगीकार कैल जाइत अछि। रोमियो १० : ९, १०

और परमेश्वर पिता क महिमा क हेतु हर एक जीभ अंगीकार कऽ लियै कि यीशु मसीहे प्रभु छथि। फिलिप्पियो २ : ११

जे कियो मनुष्य क आगू मानि लेत, ओकरा हमहूँ अपन स्वर्गीय पिता क आगू मानि लेब। परन्तु जे कियो मनुष्य क आगू हमरा अस्वीकार करत, ओकरा हमहूँ अपन स्वर्गीय पिता क आगू अस्वीकार करब। मत्ती १० : ३२, ३३

शैतान—हमर शत्रु

सचेत हो, और जागैत रह कारण तोहर विरोधी शैतान, गर्जन करैवला सिंह क भाँति एहि अन्वेषण में रहैअ अछि कि ककरा फाड़ि कऽ खा जाइ। १ पतरस ५ : ८

परमेश्वर क सम्पूर्ण अस्त्र बान्हि ले कि तू शैतान क युक्ति क आगू ठाढ़ नहि सकैं। इफिसियो ६ : ११

तखन ओहि समय आत्मा यीशु कैं जंगल में लऽ गेला जाहि सँ इब्लीस सँ ओकर परीक्षा हो। ....तखन यीशु ओकरा सँ कहलनि, हे शैतान ! दूर भऽ जो, कारण लिखल अछि, कि तू प्रभु अपन परमेश्वर कैं प्रणाम कऽकऽ और मात्र ओकरे उपासना कर। तखन शैतान ओकरा लग सँ चल गेल; और देख, स्वर्गदूत आबि कऽ ओकर सेवा करय लागल। मत्ती ४ : १ और १०, ११

शैतान पर विजय

याकूब ४ : ७, ८ अ

अतः परमेश्वर क अधीन भऽ जा और शैतान सँ संघर्ष करऽ तऽ ओ तोरा लग सँ पड़ा जाएत। परमेश्वर क लग आ तऽ ओहो तोरा लऽग आओत।

१ यूहन्ना ३ : ८

जो कियो पाप करैत अछि, ओ शैतान क दिस सँ अछि, कारण शैतान आरम्भहि सँ पाप करैत आएल अछि, परमेश्वर क पुत्र अतः प्रगट भेला कि शैतान क काज कैं नाश करी।

२ थिस्सलुनीकियो २ : ८

तखन ओ अधर्मी प्रगट होएत जकरा प्रभु यीशु अपन मूँह क फूँक सँ मारि देता और आगमन क तेज सँ भस्म कऽ देता।

प्रेम—शिष्यता क परीक्षा

गलतियो ५ : २२, २३ अ

परन्तु परमात्मा क फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता और संयम अछि ।

यूहन्ना १३ : ३५

यदि अपना में प्रेम रखमें, तऽ एहि सँ सब जानत कि तू हमर चेला छैं ।

१ यूहन्ना ४ : २०

यदि कियो कहय कि हम परमेश्वर सँ प्रेम रखैत छी और अपन भाइ सँ शत्रुता राखय, तऽ ओ झुठ्ठा छथि, कारण जे अपना भाइ सँ जकरा ओ देखलनि अछि, प्रेम नहि रखैत छथि तऽ ओ अपन परमेश्वरो सँ जिनका ओ नहि देखलक अछि, प्रेम नहि राखि सकत ।

ओ हमरा अपराध क हेतु पकड़वैल गेल और हमर धर्म स्थापना क हेतु जिआओलो गेल। रोमियो ४ : २५

आठ दिन क बाद ओकर चेला फेर घर क अन्दर में छल और थोमा ओकरा संग छल और दरवज्जा बन्द छल, तखन यीशु आवि कऽ बीच में ठाढ़ भऽ कऽ वजला—तोरा शान्ति भेटय तखन ओ थोमा सँ वजला, अपन आंङुर एतय आनि कऽ हमर हाथ कैं देख और अपन हाथ आनि कऽ हमर पांजर में राख और अविश्वासी नहि परन्तु विश्वासी हो। ई सुनि थोमा उत्तर देलक हे हमर प्रभु ! हे हमर परमेश्वर ! युहन्ना २० : २६-२८

सप्ताह क पहिल दिन भोर होइते ओ जी कऽ उठि कऽ पहिले-पहिल मरियम मगदलोनी कैं जकरा में सँ सात दुष्टात्मा कैं बहार कयने छला, देखाय देलनि। मरकुस १६ : ९

पुनरूत्थान—हमर महिमामय आशा

रोमियो ६ : ३—५

की तू नहि जनैत छैं कि हम जतेक मसीह यीशु क बपतिस्मा ग्रहण कयलहु तऽ ओकर मृत्यु क बपतिस्मा ग्रहण कैलहुँ ? अतः ओहि मृत्यु क बपतिस्मा पौला सँ हम ओकर संग गाड़ल गेलइ ऐहि हेतु कि जेना मसीह पिता क महिमा क द्वारा मरल में सँ जिआओल गेल ओहिना हमहूँ नव जीवन क समान चालि चली। कारण यदि हम ओकर मृत्यु क समानता में ओकरा संग जुटि गेल छी, तऽ निश्चय ओकरा जी उठबाक समानताओ में जुटि जाएब।

ओहि समय सँ यीशु अपन चेला कें बनऽ लगला कि हमरा अवश्य अछि कि यरूशलेम कऽ जाए और पुरनियो और महायाचक औ शास्त्री क हाथ सँ बहुत दुःख उठाबी और मारल जाइ और तेसरे दिन जी उठी। मत्ती १६ : २१

हम तऽ पानि सँ तोरा मन फेरबाक बपतिस्मा दैत छी परन्तु जे हमर बाद आबऽवला अछि, ओ हमरा सँ शक्तिशाली अछि, हम ओकर जूता उठबै जोकर नहि, ओ तोरा पवित्र आत्मा और आगि सँ बपतिस्मा देत। मत्ती ३ : ११

कि ओ हमरा ई देता कि हम अपन शत्रु क हाथ सँ छूटि कऽ ओकर आगू पवित्रता और धार्मिकता सँ जीवन भरि निडर भऽ कऽ ओकर सेवा करैत रही। लूका १ : ७४, ७५

परन्तु जेना तोहर बजवैवाला पवित्र अछि ओहिना तूहू अपन सम्पूर्ण चालि चलन में पवित्र बन। १ पतरस १ : १५

जखन ओ प्राथना कऽ लेलनि, तऽ ओ स्थान जतऽ ओ एकट्ठा छला, हिल गेला और ओ सब पवित्र आत्मा सँ परिपूर्ण भऽ गेला और परमेश्वर क वचन साहस सँ सुनवैत रहला। प्रेरितो ४ : ३१

परन्तु जखन पवित्र आत्मा तोरा पर आओत जखन तू सामर्थ पयमें ....और हमर गवाह होएमें। प्रेरितो १ : ८ अ

परन्तु जखन कि परमेश्वर क आत्मा तोरा में बसैत अछि तऽ तू शारीरिक दशा में नहि, परन्तु आत्मिक दशा में छैं। यदि ककरो में मसीह क आत्मा नहि तऽ ओ ओकर जन नहि।

रोमियो ८ : ९

यहोवा टूटल मनवाला क लग में रहैत छथि और पीसल गेल कैं उद्धार करैत छथि। भजन सहिता ३४ : १८

यहोवा क ई वाणी अछि, ई वस्तु हमरे हाथ क बनल अछि, से ई सब हमरे वस्तु छी। परन्तु हम ओकरे दिस दृष्टि करब जे दीन और दुखित मन क छथि, और हमर वचन सुनि कऽ थरथराइत होथि। यशायाह ६६ : २

हे प्रिय! जे दुःख रूपी आगि तोरा पहचानबा क हेतु तोरा में भड़कल अछि, एकरा ई बूझि कऽ अचम्भा नहि कर कि कोनो अपूर्व बात तोरा पर बीत रहल अछि। परन्तु जेना-जेना मसीह क दुःख में सहभागी होइत छी, आनन्द करू जाहि सँ ओकर महिमा प्रगट होइत समयो तू आनन्दित और मगन होइ। १ पतरस ४ : १२, १३

कारण जखन ओ परीक्षा क दशा में दुःख उठौलक, तऽ वैह ओकरो सहायता कऽ सकैत अछि, जकर परीक्षा होइत अछि।
इब्रानियो २ : १८

शान्ति क परमेश्वर शैतान कैं तोहर पैर सँ शीघ थकुचबा देत।
रोमियो १६ : २०

धमी पर बहुतराश विपत्ति तऽ पड़िते रहैत छै परन्तु यहोवा ओकरा ओहि सब सँ मुक्त करैत छथि। भजन संहिता ३४ : १९

तू कोनो एहन परीक्षा में नहि पड़ैं से मनुष्य क सहनाइ सँ बाहर अछि और परमेश्वर सत्य छथि : ओ तोरा सामर्थ से बाहर परीक्षा में नहि पड़य देथुन, प्रत्युत परीक्षा क संग विकासो करना कि तू सहि सकैं। १ कुरिन्थियो १० : १३

जे जय पाओत, हम ओकरा अपना संग अपन सिंहासन पर बैसाएब, जेना हमहू जय पाबिकऽ अपन पिता क संग हुनका सिंहा पर बैसि गेलहुँ । प्रकाशितवाक्य ३ : २१

जे जय पाओत, ओकरा एहि प्रकार श्वेत वस्त्र पहिराओल जाएत और हम ओकर नाम जीवन क पुस्तक में सँ कोनो रीतिये नहि काटब, परन्तु ओकर नाम अपन पिता और ओकर स्वर्ग क दूत क आगू मानि लेब । प्रकाशित वाक्य ३ : ५

जे जय पाओत, वैह एहि वस्तुक उत्तराधिकारी होएत और हम ओकर परमेश्वर हैब और ओ हमर पुत्र होएत ।
प्रकाशितवाक्य २१ : ७

परमेश्वर हमरा तलाक क विषय में बनबैत छथि

परन्तु हम तोरा सँ ई कहैत छी कि जे कियो अपन पत्नी कैं व्यभिचार क अतिरिक्त कोनो और कारण सँ छोड़ि दियै, तऽओ ओकरा सँ व्यभिचार करवैत अछि और जे कियो ओहि तेजल सँ बिवाह करै, ओ व्यभिचार करैत अछि। मत्ती ५ : ३२

कारण विवाहिता स्त्री व्यवस्था क अनुसार अपन पति कैं जीविते जी ओकरा सँ बान्हल अछि परन्तु यदि पति मरि जाए, तऽ ओ पति क व्यवस्था सँ छूटि गेल। से यदि पतिक जीविते जी ओ कोनो दोसर पुरुष क भऽ जाए तऽ व्यभिचारिणी कहलौती, परन्तु यदि पति मर जाए, तऽ ओ ओहि व्यवस्था सँ छूटि गेली, एत्ते तक कि यदि किओ दोसर पुरुष क भऽ जाए, तैओ व्यभिचारिणी नहि स्थापित होती।

रोमियो ७ : २, ३

तूहू धीरज धरै, और अपन हृदय कैं दृढ़ करै, कारण प्रभु क शुभागमन निकट अछि। याकूब ५ : ८

और यदि हम जाकऽ तोरा हेतु जगह तैयार करूँ तऽ फेर आबि कऽ तोरा अपना ओहि ठाम लऽ आनव कि जतय हम रही ओतए तूँहूँ रह।
यूहन्ना १४ : ३

हम शीघ्रे आबऽवला छी, जे किछु तोरा संग छौ, ओकरा थम्हने रह, कि किओ तोहर मुकुट नहि छीन लियै। प्रकाशित वाक्य ३ : ११

तखन मनुष्य क पुत्र क चिन्ह आकाश में देखाइ देत और तखन पृथ्वी क सब कुल क लोग छाती पीटत और मनुष्य क पुत्र कैं सामर्थ और ऐश्वर्य क संग आकाश क मेघ पर अवैत देखता। मत्ती २४ : ३०

प्रभु योशु मसीह क दोसर आगमन

मत्ती १६ : २७

मनुष्य क पुत्र अपन स्वर्गदूत क संग अपन पिता क महिमा में आओत और ओहि समय ओ हर एक कैं ओकर काज क अनुसार प्रतिफल देत ।

१ यूहन्ना ३ : २

हे प्रिय एखन हम परमेश्वर क सन्तान छी और एखन तक प्रगट नहि भेल कि हमकी किछु होएव। एतवे जनैत छी कि जखन ओ प्रकट हेता तऽ हमहू ओकरे समान होएव कारण ओकरा ओहिने देखब जेना ओ छथि ।

लूका १२ : ४०

तूहू तैयार रह कारण जाहि घड़ी तू सोचवो नहि करैत छै ओहि घड़ी मनुष्य क पुत्र आबि जाएत ।

परमेश्वर क वचन

२ तीमुथियुस ३ : १६

हर एक पवित्र शास्त्र परमेश्वर क प्रेरणा सँ रचल गेल अछि और उपदेश, और बुझेनाइ और सुधारनाइ और धर्म क शिक्षा क हेतु लाभदायक अछि ।

लूका २१ : ३३

आकाश और पृथ्वी टरि जाएत परन्तु हमर बात कहियो नहि् टरत ।

२ पतरस १ : २१

कारण कोनो भविष्यद्वाणी मनुष्य क इच्छा सँ कहियो नहि भेल परन्तु भक्तजन पवित्र आत्मा क द्वारा उभारल जाकऽ परमेश्वर क दिसि सँ वाजैत छल ।